सहयोगात्मक पर्यवेक्षण जनपद– सिद्धार्थनगर
दिनांक– 13.06.2018 से 15.06.2018

अवगत कराना है कि मिशन निदेशक, एन0एच0एम0 के पत्रांक एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./एम.एण्ड.ई/2018–19/**18/565–2 दिनांक 24.04.2018 व पत्रांक एस.पी.एम.यू./एन.एच.एम./एम.एण्ड.ई./2018–19/18/896–2 दिनांक 04.05.2018** में प्रदत्त निर्देशानुक्रम में दिनांक 13.06.2018 से 15.06.2018 तक जनपद–सिद्धार्थनगर में किये गये सहयोगात्मक पर्यवेक्षण का फीड बैक निम्नवत है–

Major Findings from the Visit Site	Intervention Identified	Level of Intervention
VHND सत्र 1)द्वारिकापुर माफी ,2) बानोंकुईया मिठवल, –13.06.2018 • ए.एन.एम. उर्मिला देवी एवं मंजू को एच.आर.पी. चिन्हीकरण के संबध में जानकारी है। सत्र स्थल आशा बहू व आंगनबाड़ी क्रियाशील, परन्तु विगत 3 माह से पोषाहार का वितरण तथा बच्चों का वजन नही । • सत्र स्थल पर हबकटर अक्रियाशील, स्टेथोस्कोप, ओ.पी.वी., जे.ई. एवं विटामिन ए, एल्बैन्डाजोल, एमाक्सीसिलीन,आयरन सीरप उपलब्ध नही। • गर्भवती के पेट की जांच हेतु उपयुक्त व्यवस्था नहीं। • युरिन की जांच की जा रही है, किन्तु सैम्पल हेतु शौचालय एवं हाथ धोने की व्यवस्था नहीं । • गृह भ्रमण–1 लाभार्थी रागिनी उम्र 6 माह पुत्री रीना व रामरक्षा निवासी द्वारिकापुर माफी को लगाये गये पेंटावेलेंट टीके का सत्यापन कर लाभार्थी के परिवार से स्वास्थ्य सेवाओं की पुष्टि एवं प्रसव पूर्व व प्रसव पश्चात प्राप्त हो रही स्वास्थ्य सेवाओं की पुष्टि की गई तथा आशा बहुओं की सराहना की गई। • MCP कार्ड पर समुचित विवरण नही • गृह भ्रमण–2 पांच माह से गर्भवती शशिकला पत्नी रामबहादुर को टी.टी. प्रथम व लाभार्थी सौरभ उम्र 9 माह पत्नी रामदास को 9 माह की उम्र पर लगे मिजील्स टीके के लगे होने की पुष्टि की गयी।	प्रत्येक वी0एच0एन0डी0 सत्र पर पर्याप्त लॉजिस्टिक की उपलब्धता, गर्भवती के पेट की जांच हेतु आवश्यक व्यवस्था, युरिन सैम्पल हेतु शौचालय एवं हाथ धोने की व्यवस्था अपेक्षित	चिकित्सा अधीक्षक एवं मुख्य चिकित्साधिकारी स्तर से 15 दिन में कार्यवाही अपेक्षित
प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, नौगढ़ – 14.06.2018 • चिकित्सा इकाई का औसत प्रसव भार 120–130 प्रतिमाह होने के बावजूद भी साफ–सफाई संतोषजनक है, जेएसवाई वार्ड में पर्दे लगे हैं, आई.ई.सी. मटेरियल का भी प्रदर्शित। • लेबर रूम साफ सुथरा, ड्यूटी हेतु रोस्टर प्लान न होने के कारण स्टाफ में समन्वय का अभाव। डिलीवरी टेबल पर कैलिस पैड खराब थे। नर्स SBA ट्रेंड नही है, आक्सीजन सिलेण्डर है, परन्तु स्टाफ नर्स को प्रयोग करना नही आता। • प्रसव पश्चात प्रसूताओं को 3–4 घंटे में डिस्चार्ज किया जा रहा है। • उपकरण अनुपलब्ध होने से प्रसव कक्ष में NBCC नही • लो कास्ट टेण्डर होने के कारण ठेकेदार द्वारा भोजन नहीं दिया जा रहा है साथ ही चिकित्सा ईकाई द्वारा भी	डिलीवरी टेबल पर हवा भरे कैलिस पैड NBCC क्रियाशील करना, ड्यूटी हेतु रोस्टर प्लान तथा स्टाफ नर्स को आक्सीजन सिलेण्डर प्रयोग की जानकारी होना अपेक्षित वैकल्पिक भोजन उपलब्ध कराने तथा प्रसव पश्चात चिकित्सा इकाई में 48 घंटे रूकने के लिये लाभार्थियों को प्रोत्साहित करें।	चिकित्सा अधीक्षक एवं मुख्य चिकित्साधिकारी स्तर से 15 दिन में कार्यवाही अपेक्षित

वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की जा रही है। • लेबर रूम में कलर कोडेड बिन विद ट्राली है, तथा हर दूसरे दिन BMW की गाड़ी आती है। • तहसील दिवस होने के कारण प्रभारी चिकित्साधिकारी, बीसीपीएम व बैम से सम्पर्क नही हुआ जिसके कारण वित्तिय अभिलेख नही देखे जा सके। • ए.एन.एम. की बैठक में MCP कार्ड पर समुचित विवरण भरने VHND सत्र पर आवश्यक लाजिस्टिक तथा कोल्डचेन मेन्टेन रखने के सबध में चर्चा की गयी।		
सामु0स्वा0 केंद्र उसका बाजार, सिद्धार्थनगर–14.06.2018 • प्रथम संदर्भन इकाई से विगत माह लोटन ब्लाक पीएचसी का क्षेत्र अलग किये जाने के कारण MCTS फीडिग प्रभावित हुई है, वर्तमान में मात्र 52% MCTS फीडिग हुई है जिसमें लोटन ब्लाक पीएचसी का डेटा सम्मिलित नही है। • MCTS डैशबोर्ड नही बना है, परन्तु ANM का वर्कप्लान जेनरेट कर उन्हे उपलब्ध कराया जा रहा है। • फील्ड में उपलब्ध MCP कार्ड पर समुचित विवरण यथा MCTS नम्बर, खाता संख्या, आधार नं0 नही भरा जा रहा है तथा प्रसव कक्ष के रजिस्टर पर भी MCTS नम्बर अंकित नही है। प्रसव कक्ष में NBCC कियाशील नही है। • आई.ई.सी. अंतर्गत फैसिलिटी ब्राडिंग का कार्य हुआ है परन्तु संबधित रिकार्ड उपलब्ध नही है। • वार्ड में हर बेड के लिये पार्टीशन कर पर्दे लगाये गये हैं जिससे वार्ड अच्छा दिख रहा है, किन्तु वार्ड में बेड पर चददरें नही थी। • प्रसव पश्चात रूकने का औसत समय मात्र 8 घंटे है। • आशा का भुगतान समय पर किये जाने का सत्यापन उपलब्ध अभिलेखों से किया गया। • प्रसव कक्ष में पावर बैकअप की सुविधा अनुपलब्ध तथा ओटी में एसी नही व तीमारदारों के बैठने के लिये बेंच नही है।	लोटन ब्लाक पीएचसी की MCTS फीडिग करवाना सुनिश्चित करने, MCP कार्ड पर समुचित विवरण भरने हेतु ए.एन.एम. की बैठकों में निरन्तर अभिमुखीकरण, प्रसव कक्ष में NBCC कियाशील करने, प्रसव पश्चात चिकित्सा इकाई में 48 घंटे रूकने के लिये लाभार्थियों को प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया गया। पावर बैकअप व बेंच की व्यवस्था आर.के.एस. बजट से करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक एवं मुख्य चिकित्साधिकारी स्तर से 15 दिन में कार्यवाही अपेक्षित
प्रसव केन्द्र बड़गो राजा, नौगढ़ सिद्धार्थनगर –14.06.2018 • प्रसव केन्द्र से पिछले माह में 10 डिलीवरी की रिपोर्ट है, परन्तु साफ सफाई महीनों से नही होने से गन्दगी। • प्रसव केन्द्र पर पानी हेतु हैंडपम्प है तथा पावर बैकअप व्यवस्था खराब है। प्रसव केन्द्र का हबकटर खराब है। • ए.एन.एम. मणिमाला राय प्रसव केन्द्र पर रात्रि प्रवास नही करती है। अनटाइड फंड के संबध में पुछने पर संतोषजनक उत्तर प्राप्त नही हुआ। • सुशीला पत्नी राजेश से मिलकर पिछले माह हुये प्रसव की पुष्टि की गयी, MCP कार्ड पर समुचित विवरण यथा MCTS नम्बर, खाता संख्या, आधार नं0 नही भरा है।	साफ–सफाई एवं आवश्यक लाजिस्टिक कय हेतु अनटाइड फंड का उपयोग किये जाने का सुझाव, आगे से MCP कार्ड पर समुचित विवरण भरने हेतु ए.एन.एम. मणिमाला राय को निर्देशित किया गया।	चिकित्सा अधीक्षक स्तर से 15 दिन में कार्यवाही अपेक्षित
जनपद स्तरीय बैठक सिद्धार्थनगर 15.06.2018 • आर.बी.एस.के. टीमों की नियुक्ति का मामला कोर्ट में लम्बित होने के कारण कार्यक्रम का संचालन नही • 9 अपर मुख्य चिकित्साधिकारियों के सापेक्ष कोई भी कार्यरत	मुख्य चिकित्साधिकारी से आर.बी.एस.के. टीमों की नियुक्ति का मामला कोर्ट से जल्द निस्तारित कराने	मुख्य चिकित्साधिकारी स्तर से कार्यवाही

नही है। एन.एच.एम. कार्यक्रमों का मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा कियान्वयन मात्र डी.पी.एम.यू. टीम के सहयोग से। • 175 चिकित्साधिकारियों के सापेक्ष मात्र 51 तथा 14 स्वास्थ्य शिक्षाधिकारियों के सापेक्ष मात्र 3 कार्यरत। • 2 FRU सूचीबद्व परन्तु मानकानुसार कियाशील नही। • **100 बेड एम.सी.एच. विंग**– HLFPPT द्वारा PPP मोड पर संचालित किया जाना है, इस क्रम में बिल्डिंग हैंड ओवर के संबध में HLFPPT द्वारा कतिपय आपत्तियों की सूचना से अवगत कराया गया।	तथा प्रसव पश्चात चिकित्सा इकाई में 48 घंटे रूकने के लिये लाभार्थियों को प्रोत्साहित करने हेतु संबधित को निर्देशित करने का अनुरोध किया गया। शेष हेतु राज्य स्तर से सहयोग अपेक्षित है।	अपेक्षित
प्रा0स्वा0 केंद्र बांसी, सिद्धार्थनगर–15.06.2018 • प्रा0स्वा0 केंद्र बांसी, प्रशासनिक इकाई CHC बसन्तपुर अंतर्गत संचालित है, जो कि 3.5 किलोमीटर दूर है। • 2 बेड का JE वार्ड स्थापित है जिसमें विगत वर्ष में 32 व इस वर्ष 4 केस उपचारित किये जा चुके हैं। • पावर बैकअप व पीने के पानी की अच्छी व्यवस्था है। • चिकित्सा इकाई का औसत प्रसव भार 175–200 प्रतिमाह होने के दृष्टिगत मानव संसाधन विशेष रूप से 3 वार्ड ब्वाय की आवश्यकता से अवगत कराया गया। • लेबर रूम में बायोवेस्ट सेग्रीगेशन हेतु बिन, प्रोटोकाल पोस्टर, NBCC तथा कैलिस पैड नही हैं। • प्रसव पश्चात रूकने का औसत समय मात्र 15 घंटे है। • पी.पी.सी. वार्ड अच्छी कंडीशन में है, इसके दरवाजे व खिड़की में मच्छरों से बचाव हेतु जाली की व्यवस्था नही है। • चिकित्सा इकाई में मात्र 3 आक्सीजन सिलेण्डर हैं, जिनकी रीफिलिंग गोरखपुर से कराने के कारण समय से आपूर्ति नही हो पाती है। • लो कास्ट टेण्डर होने के कारण ठेकेदार द्वारा भोजन अनियमित रूप से दिया जा रहा है। • चिकित्सा इकाई में BMW वाहन 1 साल से नही आ रहा।	प्रसव पश्चात चिकित्सा इकाई में 48 घंटे रूकने के लिये लाभार्थियों को प्रोत्साहित करने का सुझाव दिया गया। आक्सीजन सिलेण्डर व बेंच की व्यवस्था आर.के.एस. बजट से करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक स्तर से 15 दिन में समस्त बिन्दुओं के सापेक्ष कार्यवाही।

अनुपालन हेतु भ्रमण सामु0स्वा0 केंद्र मिठवल, सिद्धार्थनगर–15.06.2018

चिकित्सा ईकाई में साफ सफाई व पुताई का कार्य, पर्याप्त बेड क्रियाशील करने के लिये प्रसव कक्ष के पास स्थित स्टोर को प्रथम तल पर स्थानान्तरित कर बेड डालने का कार्य प्रगति पर है।

फीड बैक शेयरिंग– दिनांक 15.06.2018 पूर्वान्ह में मुख्य चिकित्साधिकारी, सिद्धार्थनगर के कक्ष में डी.पी.एम.यू. स्टाफ के साथ भ्रमण के दौरान पायी गई कमियों को तत्काल दूर किये जाने संबंधी विषय पर चर्चा की गई।

(वेद प्रकाश त्रिपाठी)
कार्यक्रम समन्वयक

(अभिषेक सोनी)
परामर्शदाता